एरिकसन का मनो-सामाजिक विकास सिद्धांत

विस्तृत प्रस्तुति (PPT)

Edit with WPS Office

एरिकसन का सिद्धांत: परिचय

- • एरिक एरिकसन ने मनो-सामाजिक विकास का आठ-चरणीय सिद्धांत दिया।
- • यह सिद्धांत बताता है कि मनुष्य का व्यक्तित्व जीवन भर विकसित होता है।
- • प्रत्येक चरण में व्यक्ति को एक मनो-सामाजिक संघर्ष का सामना करना पड़ता है।
- • संघर्ष का सफल समाधान स्वस्थ व्यक्तित्व का निर्माण करता है।

Edit with WPS Office

1. शैशवावस्था (Trust vs. Mistrust)

- • आयु: जन्म से 1 वर्ष
- • मुख्य विकास कार्य: विश्वास की भावना
- • माता-पिता की निरंतर देखभाल से 'ट्रस्ट' विकसित होता है।
- • उपेक्षा या असंगत देखभाल से 'मिस्ट्रस्ट'।

Edit with WPS Office

2. प्रारंभिक बाल्यावस्था (Autonomy vs. Shame/Doubt)

- • आयु: 1–3 वर्ष
- • मुख्य कार्य: स्वतंत्रता सीखना
- • समर्थन से आत्मनिर्भरता
- • अत्यधिक नियंत्रण से संदेह और शर्म

Edit with WPS Office

3. खेल अवस्था (Initiative vs. Guilt)

- • आयु: 3–6 वर्ष
- • मुख्य कार्य: पहल और नेतृत्व
- • प्रोत्साहन → आत्म-प्रेरणा
- • डांट-फटकार → अपराधबोध

Edit with WPS Office

4. विद्यालय अवस्था (Industry vs. Inferiority)

- • आयु: 6–12 वर्ष
- • लक्ष्य: कौशल व क्षमता बढ़ाना
- • भागीदारी और सहयोग से 'इंडस्ट्री' विकसित
- • तुलना और आलोचना → हीनभावना

Edit with WPS Office

5. किशोरावस्था (Identity vs. Role Confusion)

- • आयु: 12–18 वर्ष
- • पहचान निर्माण का महत्वपूर्ण चरण
- • आत्म-खोज, मूल्य, भविष्य की भूमिका
- • असमंजस → भूमिका भ्रम

Edit with WPS Office

6. युवा वयस्कावस्था (Intimacy vs. Isolation)

- • आयु: 18–40 वर्ष
- • मुख्य कार्य: गहरे भावनात्मक संबंध बनाना
- • सफल संबंध → अंतरंगता
- • असुरक्षा → अकेलापन

Edit with WPS Office

7. मध्यम वयस्कावस्था (Generativity vs. Stagnation)

- • आयु: 40–65 वर्ष
- • समाज में योगदान, अगली पीढ़ी के लिए कार्य
- • सकारात्मक योगदान → जेनरेटिविटी
- • स्वार्थ या निष्क्रियता → ठहराव

Edit with WPS Office

8. वृद्धावस्था (Integrity vs. Despair)

- • आयु: 65 वर्ष के बाद
- • जीवन की समीक्षा
- • संतोष → अखंडता की भावना
- • पछतावा → निराशा

Edit with WPS Office

निष्कर्ष

- • एरिकसन का सिद्धांत मानव विकास को जीवन-भर की प्रक्रिया के रूप में देखता है।
- • हर चरण में एक मनो-सामाजिक संघर्ष होता है, जिसका समाधान व्यक्तित्व को आकार देता है।
- • इस सिद्धांत का उपयोग शिक्षा, परामर्श, मनोविज्ञान और सामाजिक कार्य में व्यापक रूप से होता है।

Edit with WPS Office